भारत सरकार
आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4054
19 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

महाराष्ट्र में एससीएम के अंतर्गत परियोजनाओं की समीक्षा

4054. सुश्री प्रणिती सुशीलकुमार शिंदेः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का महाराष्ट्र में स्मार्ट सिटी मिशन (एससीएम) के अंतर्गत चल रही परियोजनाओं की निगरानी और समीक्षा करने का कोई प्रस्ताव है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) उक्त राज्य में इस योजना के अंतर्गत सभी परियोजनाओं तथा उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री
(श्री तोखन साहू)

(क) और (ख) भारतीय शहरी विकास के लिए भारत सरकार की नीति और कार्यनीति भारत के संविधान में उल्लिखित प्रावधानों का पालन करती है। यहाँ यह उल्लेख करना उचित है कि 'भूमि' और 'कॉलोनीकरण' राज्य के विषय हैं। इसके अलावा, भारतीय संविधान की 12वीं अनुसूची (अनुच्छेद 243डब्ल्यू) के अनुसार, शहरी नियोजन सहित नगर नियोजन भी शहरी स्थानीय निकायों /शहरी विकास प्राधिकरणों की जिम्मेदारी है। हालांकि, भारत सरकार तेजी से हो रहे शहरीकरण को तीव्र आर्थिक विकास की दिशा में एक अवसर के रूप में देखती है। भारत सरकार योजनाबद्ध कार्यक्रमों/परामर्शिकाओं के माध्यम से राज्यों के प्रयासों में सहायता प्रदान करती है।

मंत्रालय की स्मार्ट सिटीज मिशन (एससीएम) के तहत परियोजनाओं की प्रगति में तेजी लाने के लिए एक बहु-आयामी समीक्षा संरचना है। राज्य स्तर पर, मिशन के कार्यान्वयन की निगरानी मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली राज्य स्तरीय उच्चाधिकार प्राप्त संचालन समिति द्वारा की जाती है। राष्ट्रीय स्तर पर, कार्यान्वयन की निगरानी आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता वाली एक शीर्ष समिति द्वारा की जाती है। विशेष प्रयोजन तंत्र के बोर्ड में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के नामित निदेशक संबंधित शहरों में नियमित आधार

पर प्रगति की निगरानी करते हैं। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय 100 स्मार्ट सिटीज / शहरी स्थानीय निकायों के प्रदर्शन का आकलन करने और आवश्यकतानुसार उनमें सुधार करने के लिए विभिन्न स्तरों पर नियमित रूप से वीडियो कॉन्फ्रेंस, समीक्षा बैठकों, क्षेत्रीय दौरों, क्षेत्रीय कार्यशालाओं, मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के सम्मेलन आदि के माध्यम से राज्यों / स्मार्ट सिटीज के साथ संपर्क करता है।

(ग) 15.11.2024 तक की स्थिति के अनुसार, स्मार्ट सिटीज मिशन के तहत, 100 स्मार्ट शहरों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र की आठ स्मार्ट सिटीज में 17,042 करोड़ रु. की धनराशि की 347 परियोजनाओं के कार्य आदेश जारी किए गए हैं, जिनमें से 14,851 करोड़ रु. की धनराशि की 318 परियोजनाएं (अर्थात् कुल परियोजाओं का 92%) पूरी की जा चुकी हैं। शेष 2,191 करोड़ रु. की धनराशि की 29 परियोजनाएं कार्यान्वयन के चरण में हैं।

15.11.2024 तक की स्थिति के अनुसार, केंद्र सरकार ने स्मार्ट सिटीज मिशन के तहत महाराष्ट्र राज्य को 3,826 करोड़ रु. जारी किए हैं, जिसमें से 3,801 करोड़ रु. (अर्थात जारी किए गए कुल केंद्रीय हिस्से का 99%) उपयोग किए जा चुके हैं। महाराष्ट्र राज्य सरकार में स्मार्ट सिटीज मिशन के तहत परियोजनाओं और उपयोग की गई निधियों का शहर-वार विवरण अनुलग्नक में दिया गया है।

****

अनुलग्नक

महाराष्ट्र में स्मार्ट सिटीज मिशन के तहत परियोजनाओं की समीक्षा के संबंध में दिनांक 19.12.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4054 के भाग (ग) का उत्तर

महाराष्ट्र राज्य सरकार में स्मार्ट सिटीज मिशन के तहत परियोजनाओं और उपयोग की गई निधियों का शहर-वार विवरण

(करोड़ रुपए में)

राज्य/शहर	कुल जारी केन्द्रीय सहायता	केंद्रीय सहायता निधि का उपयोग	कुल परियोजनाएं		पूरी हो चुकी परियोजनाएं		चल रही परियोजनाएं	
			परियोजनाओं की संख्या	राशि	परियोजनाओं की संख्या	राशि	परियोजनाओं की संख्या	राशि
औरंगाबाद	490	490	47	2835.40	44	2622.66	3	212.74
कल्याण-डोम्बिवाली	490	468	19	1244.58	15	715.86	4	528.72
नागपुर	453	453	47	1767.71	37	1498.37	10	269.34
नासिक	429	426	53	3197.19	48	2903.91	5	293.28
पिंपरी-चिंचवड	490	490	25	1303.61	22	1134.84	3	168.77
पुणे	490	490	55	3333.07	55	3333.07	0	0.00
सोलापुर	490	490	49	1650.56	48	1256.56	1	394.00
ठाणे	490	490	52	1710.05	49	1386.04	3	324.01
अमरावती#	2	2	-	-	स्मार्ट सिटी प्रस्ताव	2.00	-	-
ग्रेटर मुंबई#	2	2	-	-		2.00	-	-
महाराष्ट्र राज्य, कुल	3,826	3,801	**347**	**17042.17**	**318**	**14851.31**	**29**	**2190.86**

15 नवंबर, 2024 तक महाराष्ट्र की स्मार्ट सिटीज द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार।

1. # का अर्थ है 'स्मार्ट सिटी के रूप में गैर-चयनित शहर' (4 करोड़ रु.)